राष्ट्रीय मुक्क विद्यालयी शिक्षा संस्थान

उच्चतर माध्यमिक पाठ्यक्रम : ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान

पाठ 13 : पारंपरिक ग्रंथालय सेवाएँ : प्रत्युत्तरात्मक व पूर्वानुमानित

कार्यपत्रक - 13

1. क्या आपने कभी पारंपरिक ग्रंथालय सेवाओं का उपयोग किया है? अपने अनुभवों का उल्लेख कीजिए।
2. पारंपरिक ग्रंथालय सेवाओं की श्रेणियों, अर्थात प्रत्युत्तरात्मक तथा पूर्वानुमानित, को चिह्नित करें।
3. ग्रंथालयाध्यक्ष होने के नाते आप अपने ग्रंथालय में उपयोगकर्ताओं को क्या प्रत्युत्तरात्मक सेवाएँ प्रदान करना चाहेंगे?
4. उन मूलभूत कदमों का वर्णन कीजिए जो आप ग्रंथालयाध्यक्ष होने के नाते अपने ग्रंथालय में ग्रंथसूची संग्रहों की मैनुअल खोज हेतु उठाना चाहेंगे।
5. उन मूलभूत कदमों का उल्लेख कीजिए जो आप ग्रंथालयाध्यक्ष होने के नाते अपने ग्रंथालय में ग्रंथसूची संग्रहों की कंप्यूटर आधारित खोज हेतु उठाना चाहेंगे?
6. उपयोगकर्ताओं की अपेक्षाओं के पूर्वानुमान पर प्रदान की जाने वाली सेवाओं को पूर्वानुमानित सेवाएँ कहते हैं। विस्तार से प्रस्तुत कीजिए।
7. ग्रंथालयाध्यक्ष होने के नाते उच्च स्तरीय विद्यार्थियों व शोधार्थियों के लिए उनकी सामयिक चेतना सेवा हेतु आप उन्हें इस श्रेणी के अंतर्गत क्या सेवाएँ प्रदान करना चाहेंगे?
8. चयनित सूचना प्रसारण (एसडीआई) के घटकों का विवेचन कीजिए।
9. दीर्घावधि संदर्भ प्रश्नों के उत्तर न केवल अधिक समय की माँग करते हैं, बल्कि इनके लिए स्रोत पर भी विचार करने की आवश्यकता होती है, जो मानक ग्रंथ हो भी सकते हैं और नहीं भी हो सकते। इस कथन की पुष्टि कीजिए।
10. ग्रंथालय के सक्रिय उपयोगकर्ता होने के नाते आपसे ग्रंथालय की पूर्वानुमानित सेवाओं को सुदृढ़ करने हेतु सुझाव माँगे गए हैं। आप किस प्रकार की सेवाएँ चाहेंगे?